डहाणू ज़कात फाउंडेशन

740, दुबल पाडा, सावटा, डहाणू

बिस्मिल्लाहि तआला

ज़कात का इज्तेमाई नज़्म- अहमियत व जरूरत

इस्लाम में तमाम काम निज़ामे जमात के साथ होते है। इंफरादियत को इस्लाम पसंद नहीं करता। आप मस्जिद से दूर हो और अलग नमाज पढ़ें तो नमाज़ हो जाएगी मगर शरियत तो यही चाहती है कि जमात के साथ नमाज़ पढ़ें- इसी तरह अगर निज़ामे जमात न हो तो अलग जकात निकालना और खर्च करना भी सहीं है लेकीन कोशिश यही होनी चाहिए कि जकात एक मर्कज़ पर जमा की जाए ताकि वहाँ वह एक जज़्बे के साथ खर्च हो इसी बात की तरफ कुरान मजीद मे अल्लाह तआला ने इरशाद फरमाया है।

" हे मेहबुब! उनके माल मे से जकात वसुल करो जिस्से तुम उन्हे सुथरा और पाकिज़ा करदो ।"
(कंजुलइमान-सुरह तौबा - आयत 1-3)

यानि अल्लाह तआला ने आप सल्लाहु अलैहि वसल्लम से फरमाया कि आप सल्लाहु अलैही व सल्लम उनसे जकात वसुल करे - मुसलमानो से यह नहीं फरमाया कि तुम जकात निकालकर अलग अलग खर्च कर दो। इसी तरह आगे जिन्हे जकात का हक मुकर्रर करने से भी साफ मालुम होता है कि जकात का सही तरिका यह है कि मरकज़ उसे बाकायदा वसुल करे और बाकायदा खर्च करे। इसी तरह आप सल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया "मुझे हुकम दिया गया कि तुम्हारे मालदारो से जकात वसुल करू और तुम्हे फुकरा में तकसीम कर दुँ।"

जकात मुसलमानो के मआशी हालात को सुधारने का एक बेहतरीन जरिया है। अगर **डहाणू** मे इसे लागू किया जाए तो चंद सालो मे मुसलमानो की तालीमी और मआशी पोज़िशन मजबुत हो जाएगी और दीनका एक अहम फरिज़ा भी जारी व सारी हो जाएगा।

आप सल्लललाहु अलैहि वसल्लम ने हज़रत मआज रजिअल्लाहु तआला अनहो को जकात व सदकात वसुल करने के लिए यमन भेजा था। हजरत उमर रजिअल्लाह तआला अनहो के जमाने मे हजरत मआज रजिअल्लाह तआला अनहो ने पहले साल लोगो की एक तिहाई जकात हजरत उमर रजिअल्लाहु तआला अनहो के पास भेजी दुसरे साल हज़रत मआज (रजि.) ने आधी जकात और तिसरे साल पूरी जकाते भेज दी और हजरत उमर (रजि.) के एतराज पर कहा कि **"मैने आप के पास कोई एसी चिज नहीं भेजी जिसका लेने वाला यहॉ कोई होता।"**

यानी उस वक्त वहाँ जकात लेने वाला कोई न था । यह है जकात के इजतमाई नज़्म के फायदे ।

अल्हम्दुलिल्लाह डहाणू में ज़कात का इज्तेमाई नज़्म कायम हो चुका है । इस एहम फ़रीजे को अंजाम देने के लिए आप से गुज़ारिश है के इस में बढ चढ कर हिस्सा लें। डहाणू के बच्चो का मुस्तक़बिल आप के हाथ में है

अपनी ज़कात ताऊन (DONATE) करने के लिए QR कोड स्कैन करें

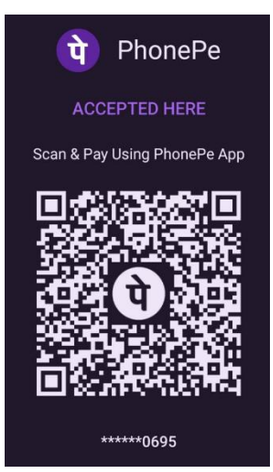

Phone no. 9820065971/8879567013/9272691289/8262984667